भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2783

18 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

एनएमडीसी में डिजिटल प्रणालियों की प्रभावकारिता

2783. श्री गजेन्द्र सिंह पटेल:
श्री गणेश सिंह:
श्री गोडम नागेश:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) में डिजिटल प्रणालियों की प्रभावकारिता की संपरीक्षा और आकलन करने के लिए क्या तंत्र विद्यमान है;

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि एनएमडीसी की निर्णय लेने की प्रक्रिया में हितधारकों, विशेषकर स्थानीय समुदायों से प्राप्त प्रतिक्रिया को शामिल किया जाए; और

(ग) क्या एनएमडीसी ने समयबद्ध सार्वजनिक सहभागिता और सूचना के प्रसार के लिए कोई समर्पित डिजिटल प्लेटफार्म अथवा डैशबोर्ड स्थापित किए हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क): राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने डिजिटल प्रणालियों की प्रभावकारिता की संपीरक्षा और आकलन करने के उद्देश्य से एन्टरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली को कार्यान्वित किया है। यह ईआरपी प्रणाली एक पूरी तरह से एकीकृत व्यावसायिक समाधान है जिसमें निर्बाध प्रचालनों को सुनिश्चित करते हुए सभी संगठनात्मक क्रियाकलाप शामिल हैं।

(ख): एनएमडीसी ने जिला कलेक्टर के माध्यम से हितधारकों, विशेष रूप से स्थानीय समुदायों/ग्रामीण प्रतिनिधियों से फीडबैक प्राप्त करने हेतु एक सुव्यवस्थित परामर्श तंत्र स्थापित किया है, जिसे एनएमडीसी के निर्णय लेने की प्रक्रिया में ध्यान में रखा जाता है।

(ग): एनएमडीसी की आधिकारिक वेबसाइट (www.nmdc.co.in) रियल टाइम आधार पर जनता से संपर्क तथा सूचना साझा करने के लिए एकमात्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करती है। एनएमडीसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी जनता के साथ सक्रिय रुप से संपर्क बनाए रखता है।

*****